युवा.रोजगार.अवसर

दैनिक भास्कर रांची, सोमवार 25 नवंबर, 2019

कॉन्क्लेव रेडिक्स 6.0 • एल्युमिनियम कंपनी के डायरेक्टर बालासुब्रमण्यम बोले...

चींटी की तरह कभी हार नहीं मानने का एटीट्यूड रखें बिजनेस स्टूडेंट्स

एजुकेशन रिपोर्टर | रांची

नेशनल एल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड (उत्पादन) के डायरेक्टर वी. बालासुब्रमण्यम ने कहा कि बिजनेस में असफल हो रहे हैं तो चींटी की तरह कार्य करना होगा। चीटियों की तरह बिजनेस में भी टीम बनाकर आगे बढ़ना होगा। क्योंकि टीम की सभी चीटियों का उद्देश्य लक्ष्य की प्राप्ति होता है। इसे बिजनेस में भी लागू करें तो सफलता तय है। चींटी की तरह कभी हार नहीं मानने का एटीट्यूड और दूर की सोच रखना होगा। वे रविवार को सीएमपीडीआई के सभागार में आईआईएम रांची के एनुअल बिजनेस कॉन्क्लेव रेडिक्स-6.0 में स्टूडेंट्स को बिजनेस के टिप्स दे रहे थे। रेडिक्स के छठे संस्करण की थीम द एंट फिलॉस्फी थी। उन्होंने कहा कि चींटी की तरह आगे की सोचें। चींटी गर्मी में ही भविष्य में आने वाली सर्दी में रहने और खाने का संसाधन जुटा लेती है। वह रेत की परत बनाती है। बिजनेस कर रहे हैं तो यही फंडा अपनाएं।

बिजनेस कॉन्क्लेव रेडिक्स 6.0 की थीम थी द एंट फिलॉस्फी

कॉन्क्लेव में स्टूडेंट्स को बिजनेस टिप्स देते एक्सपर्ट।

20 साल का बनाएं प्लान

बालासुब्रह्मण्यम ने कहा कि बिजनेस कर रहे हैं तो 20 साल आगे का प्लान तैयार करना होगा। प्लान के अनुसार आगे बढ़ें, तो नया करने के साथ सफल भी रहेंगे। अन्यथा ऊंचाइयों को छू पाना मुश्किल हो जाएगा। कहा कि नाल्को इंडियन कंपनी है। इसने पैसे को मुख्य केंद्र में रखकर नई तकनीक के साथ कम लागत में बेहतर उत्पादन दिया। कार्यक्रम के आयोजन में जय, प्रकृति, शौर्य, शुभि, शुभम, गायत्री सहित अन्य की भूमिका रही।

पार्क वाला फील देने पर हुआ काम

कान्क्लेव में द पार्क होटल की कॉरपोरेट डायरेक्टर रुचिका मेहता ने कहा कि द पार्क शुरू करने से पहले उन्होंने तय कर लिया था कि 30-35 वर्ष के लोगों के लिए होगा। इसमें पार्क वाला फील देना चाहिए। एडवेंचर व आराम कम पैसे में उपलब्ध हो। केंट सिस्टम लिमिटेड के सूचना अधिकारी सौरभ गुप्ता ने कहा हमारी कंपनी ने चींटी की तरह टीम भावना से काम किया, जिससे आज यह सफल कंपनी में शामिल है।

असफलता से सबक लेकर आगे बढ़ें

रिलायंस जियो एचआर के वाइस प्रेसिडेंट हरजीत खंडूजा ने कहा कि असफलता से घबराएं नहीं। इससे सबक लेकर आगे बढ़ें। रिलायंस को भी पहले असफलता मिली थी। लेकिन आज सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी है। पीपल्स स्ट्रांग के एसोसिएट उपाध्यक्ष अमित जैन ने कहा कि एचआर का कार्य क्लर्क की तरह सीमित था। इसे स्ट्रेटेजिक में शामिल किया। अब महत्वपूर्ण निर्णय में एचआर की भूमिका होती है।

Dainik Bhaskar, 25.11.2019, Pg. 04